सूरदास के पद

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» शब्दार्थ समझना

प्रश्न 1 (आसान). 'शरारती' शब्द का अर्थ क्या होगा?
उत्तर – चंचल, शरारत करने वाला

प्रश्न 2 (आसान). 'अदृश्य' का अर्थ क्या है?
उत्तर – जो दिखाई न दे

प्रश्न 3 (मध्यम). पद में 'गढ़न' आए तो भाव कैसे समझोगे?
उत्तर – 'गढ़न' = पूरी तरह, ऊपर से नीचे तक – यानी असर/स्थिति पूरी तरह हो रही है, अधूरी नहीं।

प्रश्न 4 (कठिन). पद में 'ईशाद' आया है–उसके आधार पर तुम क्या समझोगे?
उत्तर – 'ईशाद' = खोज/अन्वेषण – यानी पात्र किसी बात को ढूँढ रहा है, जानने की कोशिश कर रहा है; सिर्फ देखना नहीं, तलाश का भाव है।

» पहले पद का अर्थ: चोटी/दूध का लोभ

प्रश्न 5 (आसान). 'मैया, कबह बढ़ैगी चोटी?' से बालक का भाव क्या निकलता है?
उत्तर – जिद और बेचैनी–चोटी जल्दी बढ़ाने की मांग।

प्रश्न 6 (आसान). 'अजहूँ है छोटी' का मतलब इस पद में क्या है?
उत्तर – कितनी बार दूध पीने के बाद भी चोटी अभी छोटी है–बालक असंतुष्ट है।

प्रश्न 7 (मध्यम). 'देति न माखन-रोटी' से बालक के लोभ/मांग में क्या स्पष्ट होता है?
उत्तर – दूध के बाद भी माखन-रोटी नहीं मिल रही–असल चाह/लोभ माखन-रोटी तक है।

प्रश्न 8 (कठिन). पद (1) में 'चोटी' और 'दूध' को जोड़कर बताओ: बालक वास्तव में चाहता क्या है–केवल चोटी या कुछ और?
उत्तर – वह चोटी के बहाने मांग कर रहा है; असली बात उसकी जिद और दूध-माखन-रोटी के लोभ की है–दूध पीने पर इनाम (माखन-रोटी) चाहिए, और चोटी भी जल्दी बड़ी हो।

» दूसरे पद का अर्थ: माखन-चोरी और ग्वालों की स्थिति

प्रश्न 9 (आसान). 'तेरैं लाल मेरौ माखन खायौ' में मुख्य भाव क्या है?
उत्तर – शिकायत और दुःख (साथ में हल्की-सी चिढ़)

प्रश्न 10 (आसान). 'दुपहर दिवस… आपही आयौ' से क्या समझ आता है?
उत्तर – दोपहर का समय देखकर कृष्ण चुपके से मौका मिलाकर आ गए

प्रश्न 11 (मध्यम). 'दिन प्रति हानि होति गोरस की' का मतलब क्या होगा भाव सहित?
उत्तर – रोज़ दूध का नुकसान हो रहा है–ग्वालों में नाराज़गी और चिंता

प्रश्न 12 (कठिन). 'सूर स्याम कौं हटकि न राखै तैं ही पूत अनोखौ जायौ' पंक्तियों में 'चतुर/अनायास बचाव' की वजह क्या बताई गई है?
उत्तर – कृष्ण-स्याम को अलग/रोककर नहीं रखा–यानी निगरानी की कमी, इसलिए वह बेबाकी से अनोखे काम कर रहा है

» भावार्थ-आधारित तुलना: कौन-सा पद क्यों अच्छा लगा

प्रश्न 13 (आसान). अगर तुम्हें पद 2 अच्छा लगा, तो 1 वजह लिखो।
उत्तर – क्योंकि उसमें घटनाएँ बहुत स्पष्ट हैं और 'हटकि न राखै' से कारण भी समझ आता है।

प्रश्न 14 (आसान). पद 1 में किस चीज़ का असर ज्यादा लगता है–(भाव या दृश्य)? एक शब्द बताओ।
उत्तर – भाव (मोह/खिंचाव)

प्रश्न 15 (मध्यम). 'भावार्थ-आधारित तुलना' का मतलब क्या है–एक पंक्ति में लिखो।
उत्तर – किस पद का असर किस भाव, किस शैली और किस स्पष्ट कथानक/कारण की वजह से लगा–'क्यों' सहित बताना।

प्रश्न 16 (कठिन). पद 1 और पद 2 में से किसमें संवाद/कहानी ज्यादा चलती है? और यह तुम्हारे 'अच्छा लगा' होने से कैसे जुड़ता है?
उत्तर – पद 2 में कहानी ज्यादा चलती है क्योंकि 'कैसे' और 'कब' वाली बातें आती हैं (घर खाली मानकर पहुँचना, मंदिर में प्रवेश, दूध-दही खिलाना)। इससे दृश्य बनता है और इसलिए पद 2 ज्यादा प्रभावशाली लगा।

» अनुमान और कल्पना से व्याख्या

प्रश्न 17 (आसान). पदों से संकेत लेकर अनुमान लिखो: श्रीकृष्ण उस समय छोटे ही थे–किस संकेत से तुम यह कहोगे?
उत्तर – बाल-चंचलता, छिपकर करने की कोशिश और शरारत/डर का भाव–इनसे।

प्रश्न 18 (आसान). चोरी से खाना वाली स्थिति की अपनी तुलना 2 पंक्तियों में कैसे करोगे?
उत्तर – माँ के मना करने पर चुपके से थोड़ा-सा खाना और पकड़े जाने पर सफाई/बहाना सोचने वाला डर।

प्रश्न 19 (मध्यम). किसी शिकायत पर अभिभावक से अपने मन का जवाब 6-7 पंक्तियों में लिखो–कारण भी हो और सुधार भी।
उत्तर – मैं बताऊँगा कि क्या हुआ, मेरी गलती कहाँ रही/मैंने क्यों ऐसा किया, फिर मैं आगे से सावधानी रखूँगा और ऐसा दोबारा नहीं होने दूँगा।

प्रश्न 20 (कठिन). श्रीकृष्ण की उम्र का अनुमान भी दो, और 'माँ के मना करने पर भी चोरी से खाना' वाली तुलना भी–पर यह साफ लिखो कि अनुमान पद के किस भाव/संकेत से आया।
उत्तर – पद में जो बाल-हरकत, छिपकर कोशिश और पकड़े जाने का संकेत है, वही आधार बनाकर 'बहुत छोटी उम्र, लगभग कुछ साल' का अनुमान दूँगा; तुलना अपने घर के उस अनुभव से करूँगा जहाँ मना के बावजूद चुपके से खाया था और पकड़ में आने पर सफाई/डर था।

» भाषा की बात: शब्द-निर्माण और पर्यायवाची

प्रश्न 21 (आसान). 'काम' = मक्खन चुराना, नाम कैसे बनाओगे? (–वाला लगाओ)
उत्तर – मक्खन चुरानेवाला

प्रश्न 22 (आसान). पर्यायवाची का मतलब क्या है?
उत्तर – एक ही अर्थ/भाव वाले अलग-अलग शब्द

प्रश्न 23 (मध्यम). 'श्रीवृष्ण' के लिए एक पर्यायवाची लिखो।
उत्तर – श्रीकृष्ण

प्रश्न 24 (कठिन). 'माखन चुरानेवाला' शब्द-निर्माण में तुमने काम किससे लिया और '-वाला' क्यों जोड़ा?
उत्तर – मैंने काम 'माखन चुराना' लिया और '-वाला' इसलिए जोड़ा कि काम करने वाले व्यक्ति का नाम बन जाए–यानी काम से पहचान।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लो पद में ये शब्द आए: 'अदब', 'मुँडेर', 'मग्न हो जाना'। बताओ इनका शब्दार्थ क्या होगा और पद में ये क्या भूमिका निभाएंगे?

› 'अदब' का अर्थ लिखो: शिष्टाचार, लिहाज – यानी सम्मान/मर्यादा का भाव।

› 'मुँडेर' का अर्थ लिखो: छत/छप्पर के आगे बनी दीवार/परदा जैसा किनारा – यानी दृश्य कहाँ है।

› 'मग्न हो जाना' का अर्थ लिखो: पूरी तरह डूब जाना/ध्यान में खो जाना – यानी मन की गहराई/भाव-स्थिति।

› अब जोड़ो: अदब भाव बनाता है, मुँडेर दृश्य सेट करता है, मग्न हो जाना पात्र की मानसिक स्थिति बताता है।

उत्तर – 'अदब' = शिष्टाचार, लिहाज (सम्मान/मर्यादा का भाव); 'मुँडेर' = छत/छप्पर के आगे बनी दीवार/किनारा (दृश्य कहाँ है); 'मग्न हो जाना' = पूरी तरह ध्यान में डूब जाना (पात्र की भाव-स्थिति)।

उदाहरण 2. पहले पद (1) से निकालो: (क) कृष्ण/बालक कितनी बार दूध पियाने की बात करता है? (ख) उसकी मांग में दूध-रोटी/माखन-रोटी का रिश्ता क्या है? (ग) 'चोटी' का चित्रण किस तरह होता है?

› लाइन 'किती बार... दूध पियत भई' देखकर समझो कि वह बार-बार दूध पिलाने की गिनती करता है–यानी दूध बहुत बार दिया जा चुका है।

› 'अजहूँ है छोटी' जोड़कर लोभ/नाखुशी समझो–दूध पिने के बावजूद चोटी अभी नहीं बढ़ी, इसलिए बच्चा असंतुष्ट है।

› 'काँचै दूध पियावत... देति न माखन-रोटी' देखकर स्पष्ट करो कि दूध के साथ उसे माखन-रोटी भी चाहिए; सिर्फ दूध पर्याप्त नहीं है।

› 'नागिनी सी भुइँ लोटी' से चोटी का दृश्य निकालो–चोटी लहराती/सर्प-सी जैसे घुमती है, यानी कल्पना के साथ चोटी जीवंत दिखती है।

उत्तर – कृष्ण/बालक कहता है कि 'किती बार' दूध पिलाया गया है; फिर भी 'अजहूँ... छोटी' है। उसकी मांग में दूध के साथ माखन-रोटी की कमी (देति न माखन-रोटी) असली लोभ दिखाती है। 'चोटी' का चित्रण 'नागिनी सी भुइँ लोटी' के जरिए लहराती हुई, जमीन तक घुमती/उछलती-सी कल्पना जैसा बनता है।

उदाहरण 3. दूसरे पद की पंक्ति 'उफखल चढ़ि, सींवेफ कौ लीन्हौ... ढरकायौ' का भाव पहचानो–यहाँ ग्वाले/ग्वालों के मन में क्या भाव मुखरित हो रहे हैं?

› 'उफखल चढ़ि' सुनो–ये बताता है कि बच्चा जल्दी-जल्दी ऊपर जा रहा है (हड़बड़ी)।

› 'लीन्हौ' मतलब कुछ पकड़कर/लेकर लेना–इच्छा पूरी करने की कोशिश।

› 'भुइँ मैं ढरकायौ' मतलब चीज़ गिरा देना–नुकसान/गड़बड़ की स्थिति बनना।

› अब मिलाकर भाव निकालो: हड़बड़ी भी है और नुकसान की चिंता भी; हल्की-सी चिढ़/मज़ाकिया प्रतिक्रिया भी निकल सकती है, पर मुख्य भाव चिंता है।

उत्तर – इस पंक्ति में हड़बड़ी, नुकसान की आशंका और चिंता/चिढ़ का भाव मुखरित हो रहा है।

उदाहरण 4. प्रश्न: दोनों पदों में से आपको कौन-सा पद अधिक अच्छा लगा और क्यों? भावार्थ-आधारित तुलना करके लिखिए।

› पहले तय करो–तुम्हें कौन-सा पद पसंद आया (पद 1 या पद 2)।

› उस पद में सबसे पहले कौन-सा भाव ज्यादा उभरा, 1-2 शब्दों में लिखो (जैसे चिढ़, दुःख, मोह, चिंता)।

› उसके बाद देखो शैली क्या करती है–चित्रण/तुलना/संवाद/घटना को कैसे जीवंत करती है।

› फिर बताओ कथानक कितना स्पष्ट है–घटना 'कैसे' और 'कब' समझ आती है या नहीं।

› अंत में 1 वजह जोड़ो–क्यों वो पद तुम्हें ज्यादा प्रभावशाली लगा (भाव + शैली + कथानक/कारण)।

उत्तर – मुझे दूसरा पद अधिक अच्छा लगा, क्योंकि इसमें शिकायत के साथ कारण भी साफ जुड़ता है। "दुपहर दिवस... ढूँढि-ढँढ़ोरि आपही आयौ" और "खोलि किवारि, पैठि मंदिर मैं..." से पूरा दृश्य बहुत स्पष्ट बन जाता है। साथ ही "उफखल... ढरकायौ" से शरारत की गड़बड़ी भी दिखती है और अंत में "हटकि न राखै..." से सही वजह भी मिलती है, इसलिए भावार्थ सीधा दिल पर असर करता है।

उदाहरण 5. पदों से संकेत लेकर बताइए कि श्रीकृष्ण की उस समय उम्र क्या रही होगी। और अपनी कल्पना को 'माँ के मना करने पर भी चोरी से खाना' वाली स्थिति से जोड़कर 8-10 पंक्तियों का उत्तर लिखिए।

› पदों में मिलने वाले संकेत पहचानो: बाल-चंचलता, छिपकर करने की कोशिश, शरारती-सा व्यवहार।
› इन्हीं संकेतों के आधार पर उम्र का अनुमान बनाओ: "बहुत छोटे" होने का संकेत।
› फिर तुलना सोचो: घर में माँ की मना करने के बाद चुपके-चुपके खाना और पकड़ में आने पर बहाना/सफाई।
› उत्तर में यह स्पष्ट रखो कि तुलना सिर्फ भाव समझाने के लिए है, न कि कविता का अर्थ बदलने के लिए।
› अंत में एक-लाइन लिखो कि तुम्हें यह अनुमान पद के किस भाव से आया।

उत्तर – पदों में श्रीकृष्ण की हरकतें नन्हे बालक जैसी लगती हैं–वे चंचल हैं, जल्दी-जल्दी करते हैं और छिपकर काम करने की कोशिश भी दिखती है। इसलिए मुझे लगता है कि उस समय श्रीकृष्ण की उम्र बहुत छोटी रही होगी, लगभग कुछ ही साल–इतनी कि शरारत भी हो और पकड़े जाने का डर भी।

मेरे घर में भी ऐसा हुआ है–माँ ने मना किया हो और फिर चुपके से एक-दो निवाले खा लिए हों। पकड़ में आने पर हम बहाना सोच लेते हैं, क्योंकि मन में डर भी रहता है और शरारत भी। श्रीकृष्ण के मामले में भी वही 'चुपके-चुपके' वाला भाव पदों में झलकता है। यही संकेत मुझे उम्र के अनुमान तक ले जाते हैं।

उदाहरण 6. पदों में "माखन चुरानेवाला" शब्द बनाने का तरीका दिखाओ। फिर 'श्रीवृष्ण' के लिए पाँच पर्यायवाची (ऐसे शब्द जो श्रीकृष्ण के लिए प्रयोग होते हैं) लिखो।

› पहले काम पहचानो: माखन चुराना।
› काम के बाद '-वाला' जोड़कर नाम बनाओ: माखन चुरानेवाला।
› अब 'श्रीवृष्ण' के लिए ऐसे पाँच शब्द चुनो जो सामान्यतः श्रीकृष्ण के नाम/विशेषण के रूप में आते हैं।

उत्तर – माखन चुरानेवाला। 'श्रीवृष्ण' के पाँच पर्यायवाची: श्रीकृष्ण, नंदकिशोर, गोकुलनायक, गिरिधर, मुरारि।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• उत्तर लिखते समय हर शब्द के साथ "पद में भाव/दृश्य" भी जरूर लिखो।
• पद (1) में 'चोटी' + 'माखन-रोटी' का संबंध लिखो–उत्तर पक्का होगा।
• पंक्ति से भाव लिखो–दुःख/हँसी/चिंता/चालाकी की वजह सहित।
• उत्तर में 'क्यों' लिखो; सिर्फ 'अच्छा लगा' अंक नहीं दिलाता।
• बोर्ड/परीक्षा में 'क्यों' और 'पद से आधार' लिखना अंक बढ़ाता है।
• बोर्ड पर 1 शब्द-निर्माण + 5 पर्याय हमेशा साफ़ लिखो; अर्थ मैच होना चाहिए।

एक नज़र में रिवीज़न

› - शब्दार्थ = अर्थ + भाव/भूमिका
› - कब? अजहूँ छोटी? न माखन-रोटी–लोभ पकड़ो।
› - शिकायत: माखन-चोरी, चिंता: नुकसान, वजह: निगरानी की कमी
› भाव + शैली + वजह = 'क्यों अच्छा लगा'
› संकेतअनुमान, अनुभवकल्पना, आधार जरूर लिखो
› '–वाला' = काम से नाम, पर्यायवाची = एक अर्थ वाले शब्द